वीयू – वन्य प्राणी चिकित्सकों द्वारा किया गया तेंदुए का सफल उपचार

विगत तीन माह पूर्व दिनांक 13/9/2023 की मध्य रात्रि मंडला फॉरेस्ट जोन के बम्हिनी रेंज से एक तेंदुआ जिसकी उम्र लगभग 4 से 5 वर्ष थी को अत्यंत गंभीर अवस्था में नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ केंद्र में इलाज हेतु लाया गया, परीक्षण के दौरान पाया गया कि उसके पूरे शरीर में घाव और खून के अत्यधिक रिसाव हो जाने के कारण वह अचेत अवस्था में था। उसे घाव में कीड़े पड़ चुके थे लगभग असामान्य परिस्थितियों में इसके सभी अंगों को एक्स–रे और सोनोग्राफी की गई और चिकित्सा हेतु प्राथमिक रक्त परीक्षण में यह पता चला कि यह तेंदुआ अत्यधिक स्ट्रेस अवस्था में रहने के कारण मरण सानिया अवस्था में था। स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ की संचालक डॉ. शोभा जवारे ने नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर डॉ. सीता प्रसाद तिवारी को इस बारे में अवगत कराया और तत्काल निर्देशानुसार

चिकित्सा दल नियुक्त किया गया जिसमें डॉ. अमोल रोकड़े, डॉ. काजल, जाधव डॉ. सोमेश सिंह एवं डॉ. देवेंद्र पोधाडे आदि प्रमुख थे। इसके अलावा समय–समय पर पैथोलॉजिकल परीक्षण हेतु डॉ. के.पी. सिंह एवं डॉ. निधि राजपूत का सहयोग रहा। तेंदूए के खान–पान पर विशेष ध्यान देते हुए इसका इंतजाम प्रारंभ किया गया और क्योंकि इस जानवर को किसी प्रकार का अंदरूनी चोट नहीं थी और ना ही फ्रैक्चर था। ऐसी दशा में कई विशेषज्ञों और सर्जन की सलाह पर नियमित रूप से लेजर थेरेपी से घाव को भरने की प्रक्रिया शुरू की गई जगह–जगह इसके शरीर पर कुछ घाव इस प्रकार थे कि उनमें टांके नहीं लगाए जा सकते थे। ऐसी अवस्था में घाव को

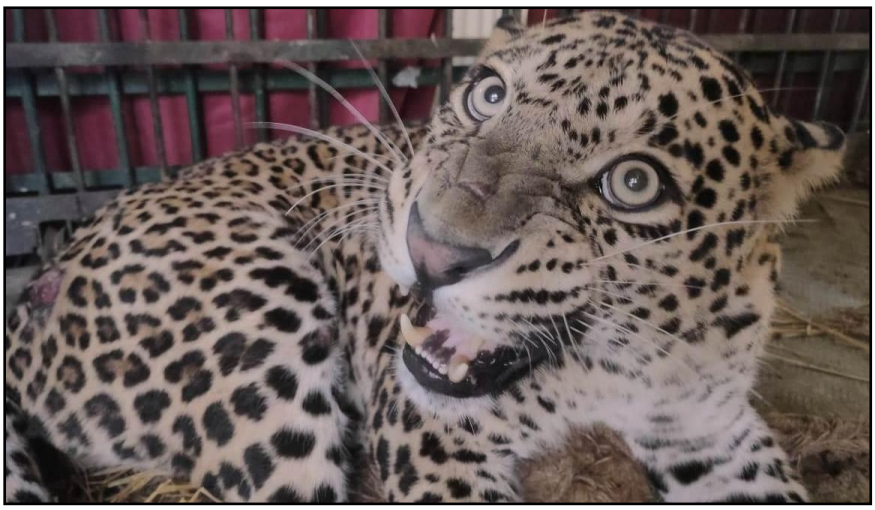

भरने में लगभग 1 से 2 माह का वक्त लगा उसकी फिजियोथैरेपी की गई फिर इस तेंदुए ने चलना प्रारंभ किया तो इसके ठीक होने की उम्मीद बढ़ गई और लगभग एक माह से प्राकृतिक वातावरण में स्वच्छ रूप से बड़े में विचरण करने के लिए रखा गया ताकि प्राकृतिक वातावरण में यह जल्द से जल्द स्वस्थ हो सके और यह तरकीब कामयाब रही। जिसकी जानकारी वन विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी मध्य प्रदेश को इसके विस्थापन की अनुमति प्राप्त करने के लिए दी गई दिनांक 12/12/2023 को प्रधान मुख्य वन संरक्षण वन्य प्राणी मध्य प्रदेश से स्वीकृति प्राप्त करने के पश्चात इस मुख्य वंश संरक्षक श्री कमल अरोड़ा मंडल अधिकारी श्री नित्यानंद एल तथा स्कूल आफ वाइल्डलाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ के सभी वैज्ञानिक गण पीजी स्टूडेंट्स समाचार एवं दूरदर्शन के संवाददाताओं की मौजूदगी में इस तेंदुए को मुकुंदपुर रवाना किया गया । जहां यह प्राकृतिक वातावरण में एक निश्चित परिधि में स्वच्छंद विचरण कर सके और वहां के पदस्थ वेटरनरी डॉ. और फॉरेस्ट अधिकारियों के देखरेख में जंगली जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को सीख कर पुरे मंडल क्षेत्र के जंगलों में विस्थापित किया जा सकेगा इस दौर में प्राकृतिक रूप से शिकार करने की कला सीखनी होगी क्योंकि अभी यह सुबह–शाम प्रदत किए जाने वाले मांसाहार पर जीवित है इसे जल्द ही आखेट करना सीखना पड़ेगा इन्हीं सब सुझावों के साथ संचालिका द्वारा दिशा निर्देश तैयार कर मुकुंदपुर के वेटरनरी डॉक्टर को प्रेषित किया गया है ताकि तेंदुए के रखरखाव पर ध्यान दिया जा सके।

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर डॉ सीता प्रसाद तिवारी के अनुसार तेंदुआ आज से तीन माह पूर्व आया था हमारे स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ केंद्र में उपचार की सभी अच्छी सुविधा हैं। जिससे मरणासन्न अवस्था में आए तेंदूए का पूरा उपचार कर स्वस्थ्य अवस्था में फारेस्ट विभाग को सौंपा गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर